SMT. RDG COLLEGE FOR WOMEN, AKOLA

- **Department of Political science**
- **Power point Presentation on**
- **'Nationalism of Vivekanada'**

B.A. Final Year Semester VI

- **Dr. Vinod B. Khaire**
- **Head of the Department of Political Science**

खुद को कमजोर
समझना सबसे बड़ा
पाप है।
Swami
Vivekananda

SWAMI VIVEKANAND

- स्वामी विवेकानंद का भारत और राष्ट्रवाद, दूसरों के प्रति घृणा नहीं फैलाता, उनका राष्ट्रवाद भारतीयों को बेहतर मनुष्य बनाता है

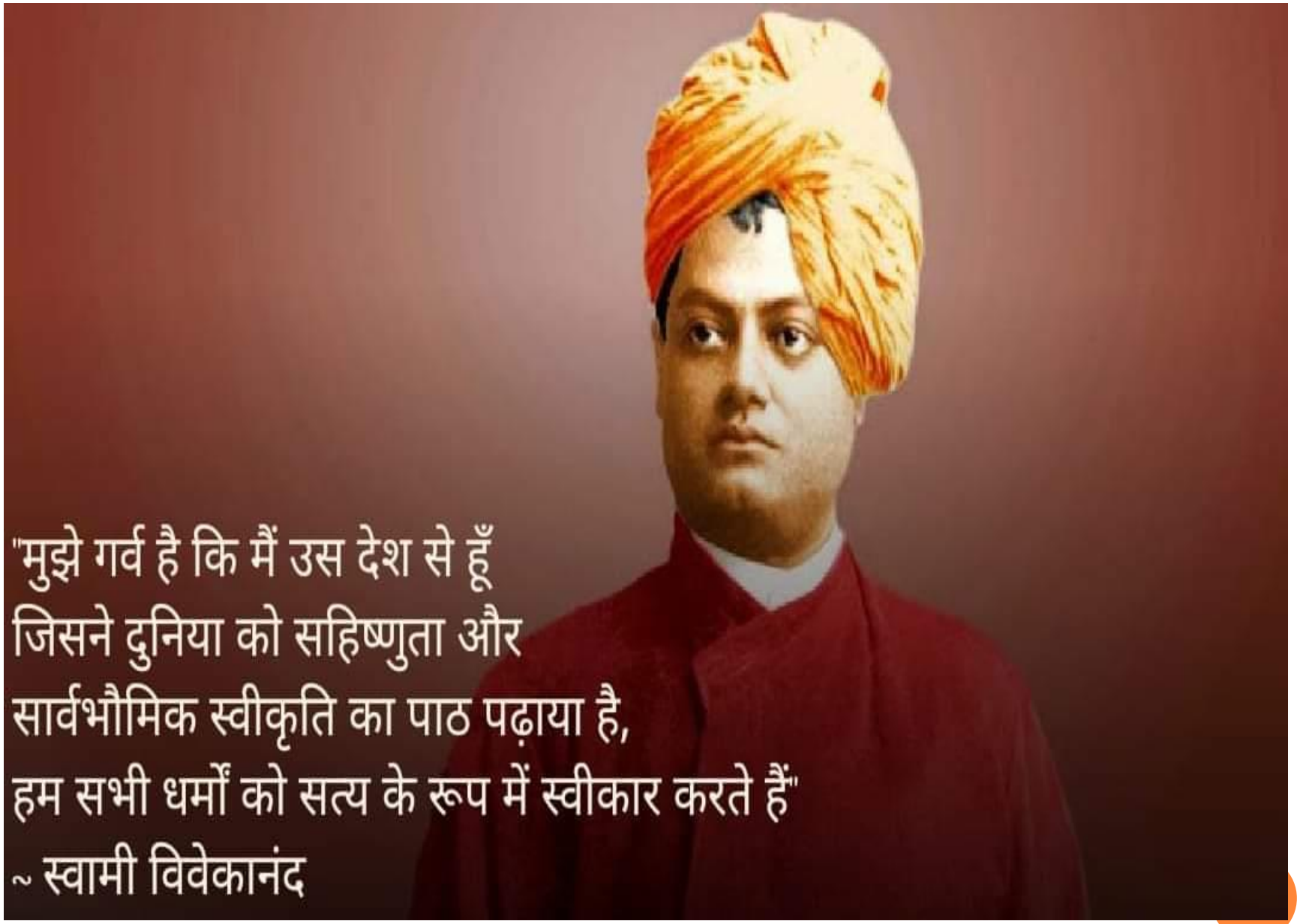
"मुझे गर्व है कि मैं उस देश से हूँ
जिसने दुनिया को सहिष्णुता और
सार्वभौमिक स्वीकृति का पाठ पढ़ाया है,
हम सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं"
~ स्वामी विवेकानंद

SWAMI VIVEKANAND

- स्वामीजी ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा था कि निराशा, कमजोरी, भय, आलस्य तथा ईर्ष्या युवाओं के सबसे बड़े शत्रु हैं। उन्होंने युवाओं को जीवन में लक्ष्य निर्धारण करने के लिए स्पष्ट संदेश दिया और कहा कि तुम सदैव सत्य का पालन करो, विजय तुम्हारी होगी। आनेवाली शताब्दियाँ तुम्हारी बाट जोह रही हैं।

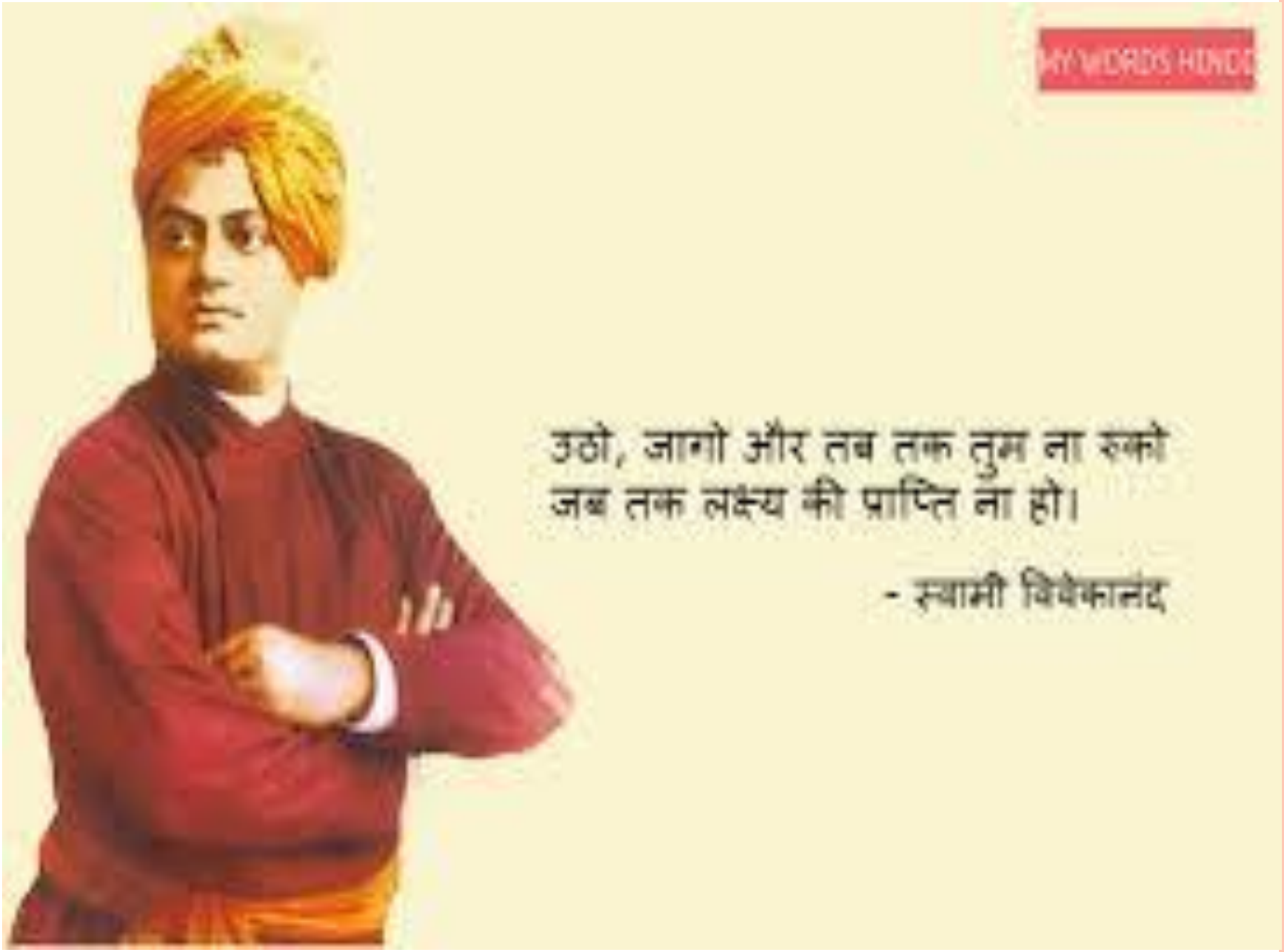
उठो, जागो और तब तक तुम ना रुको
जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो।
- स्वामी विवेकानंद

SWAMI VIVEKANAND

- स्वामीजी प्रखर राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उनका मानना था कि राष्ट्र के प्रति गौरवबोध से ही राष्ट्र का कल्याण होगा। हिंदू संस्कृति, समाजसेवा, चरित्र-निर्माण, देशभक्ति, शिक्षा, व्यक्तित्व तथा नेतृत्व इत्यादि के विषय में स्वामीजी के विचार आज अधिक प्रासंगिक हैं

संघर्ष करना जितना कठिन होगा,
जीत उतनी ही शानदार होगी।

स्वामी विवेकानंद

40

ज्ञानमय विचार

SWAMI VIVEKANAND

- उन्होंने कहा था कि हमें कुछ ऐसे युवा चाहिए, जो देश की खातिर अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार हों। ऐसे युवाओं के माध्यम से वे देश ही नहीं, विश्व को भी संस्कारित करना चाह रहे थे।

SWAMI VIVEKANAND

- शांती आश्रम ची स्थापना
- जनसेवा हीच ईश्वर सेवा
- ब्राह्मो समाजाचे सदस्य
- भगवद्गीता ,द इमिटेशन ऑफ CHRIST

स्वामी विवेकानंदांचे राष्ट्रवादा संबंधी चे विचार

- **राष्ट्रवादाचे आधार**
- धर्म
- संस्कृती
- जनसमुदायाची चिंता
- व्यक्तिस्वातंत्र्य आणि समता
- जगाचे अध्यात्मिक एकत्रीकरण
- अनासक्ती आणि निर्लोभिता
- कर्मयोगावर विश्वास
- स्त्रियांबाबतचा पूज्यभाव

स्वामी विवेकानंदांचे राष्ट्रवादा संबंधी चे विचार

- **स्वामी विवेकानंदांच्या राष्ट्रवादाची ठळक वैशिष्ट्ये**
- अध्यात्मिक स्वरूप
- वैश्वीकरण
- एकरूपता निर्माण करण्याचे सामर्थ्य
- धार्मिक सुसंवाद आणि सहिष्णुता
- संन्यास भावना
- राष्ट्रीय शिक्षण
- विविधतेत एकता
- मानवतावादावर भर

स्वामी विवेकानंदांचे राष्ट्रवादा संबंधी चे विचार

- राष्ट्रवादाचा प्रमुख आधार अध्यात्मवाद
- राष्ट्रवाद हिंदूधर्म विचारावर आधारित
- स्वातंत्र्य चळवळीतून राष्ट्रवादाचा उदय
- युद्धाचा निषेध
- लोभ आणि मोहापासून परावृत्त

स्वामी विवेकानंदांचे राष्ट्रवादा संबंधी चे विचार

- वेदांमधील अद्वैत सिद्धांत
- सर्वधर्म समन्वय
- भौतिक प्रगती आणि अध्यात्माचा समन्वय

Thank You